

Padma Vibhushan



GENERAL BIPIN RAWAT (POSTHUMOUS) PVSM, VYSM, AVSM, YSM, SM, VSM

General Bipin Rawat was the first Chief of Defence Staff of India from 31st December 2020 to 08th December 2021. He was also the Secretary of newly created Department of Military Affairs in the Ministry of Defence.

2. Born on 16th March, 1958, General Rawat was an alumnus of St Edward's School, Shimla and the National Defence Academy. He was commissioned on 16th December 1978 into the Fifth Battalion of the Eleventh Gorkha Rifles of the Indian Army, the Battalion which was commanded by his father. While graduating from the Indian Military Academy, Dehradun, he was awarded the coveted 'Sword of Honour'. He also had two diplomas in Management and in Computer Science. He received the 'Doctorate of Philosophy' (Ph.D) for his research on 'Military Media Strategic Studies' from the Chaudhary Charan Singh University, Meerut.

3. General Rawat held several important instructional and staff appointments. These include instructional tenures at the Indian Military Academy (Dehradun) and at the Junior Command Wing as a Senior Instructor. He was the General Staff Officer at Military Operations Directorate, Colonel & later Deputy Military Secretary in the Military Secretary's Branch, Major General Staff of the Eastern Theatre and was also the Vice Chief of the Army Staff. He was the Chief of the Army Staff for a full tenure of 3 years from 31st December 2016 to 31st December 2019.

4. General Rawat, for the distinguished service rendered and valour displayed over the span of over 43 years of his entire service career, was conferred several Presidential Awards which include the PVSM, UYSM, AVSM, YSM, SM and the VSM. He has also been awarded the Chief of Army Staff Commendation on two occasions as also the Army Commander's Commendation. While serving with the UN in Congo, he was twice awarded the Force Commander's Commendation.

5. As the first Chief of Defence Staff, General Rawat steered the restructuring of India's national security architecture including the setting up of Integrated Theatre Commands. He laid emphasis to usher in greater jointness and synergy amongst the services by instituting measures for Joint Logistics, Joint Training and Planning, ensuring commonality of procedures and doctrines. He was also pivotal in prioritising of defence procurements with emphasis on indigenisation and 'Atmanirbharta' as well as standardisation of inventory. The domestic defence industry has received a major boost through the publishing of the two positive indigenization lists.

6. Due to foresight and vision of General Rawat, capabilities of the Indian Armed Forces in the niche domains of space, cyber and special operations got a fillip. These along with initiatives to modernise our forces and the organisational restructuring of the Indian Army into Integrated Battle Group has provided additional stimulus to our Armed Forces. He has been a visionary force and was pivotal in ushering in transformative reforms towards and inclusive growth of the Armed Forces of India.

7. General Rawat passed away on 8th December, 2021.

पद्म विभूषण



जनरल बिपिन रावत (मरणोपरांत)

प.वि.से.मे., उ.वि.से.मे., अ.वि.से.मे., यु.से.मे., से.मे., वि.से.मे.

जनरल बिपिन रावत 31 दिसंबर, 2020 से 08 दिसंबर, 2021 तक भारत के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ थे। वे रक्षा मंत्रालय में नवसृजित सैन्य मामलों के विभाग के सचिव भी थे।

2. 16 मार्च, 1958 को जन्मे जनरल रावत सेंट एडवर्ड स्कूल, शिमला और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र थे। उन्हें 16 दिसंबर, 1978 को भारतीय सेना की ग्यारहवीं गोरखा राइफल्स की पांचवीं बटालियन में कमीशन प्रदान किया गया था, जिसकी कमान उनके पिता ने भी संभाली थी। भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून से स्नातक होने के दौरान, उन्हें प्रतिष्ठित 'स्वॉर्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया था। उन्होंने प्रबंधन और कंप्यूटर साइंस में दो डिप्लोमा भी प्राप्त किए थे। उन्होंने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा "मिलिटरी मीडिया स्ट्रैटेजिक स्टडीज़" विषय पर शोध के लिए 'डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी' (पीएचडी) प्राप्त की थी।

3. जनरल रावत ने कई महत्वपूर्ण निर्देशात्मक और स्टाफ नियुक्तियां कीं थीं। इनमें भारतीय सैन्य अकादमी (देहरादून) में अनुदेशात्मक कार्यकाल और जूनियर कमांड विंग में वरिष्ठ प्रशिक्षक के रूप में कार्यकाल शामिल हैं। उन्होंने मिलिटरी ऑपरेशन्स निदेशालय में जनरल स्टाफ ऑफिसर, मिलिटरी सेक्रेटरी ब्रांच में पहले कर्नल और बाद में उप सैन्य सचिव, पूर्वी थिएटर के मेजर जनरल स्टाफ और आर्मी स्टाफ के उप प्रमुख के रूप में कार्य किया है। वे 31 दिसंबर 2016 से 31 दिसंबर 2019 तक 3 साल के सम्पूर्ण कार्यकाल के लिए थल सेनाध्यक्ष रहे थे।

4. जनरल रावत को अपने पूरे सेवा कैरियर के 43 वर्षों में प्रदर्शित विशिष्ट सेवा और वीरता के लिए कई राष्ट्रपति पुरस्कारों से सम्मानित किया गया जिसमें पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम और वीएसएम शामिल हैं। उन्हें दो मौकों पर चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कमेंडेशन और आर्मी कमांडर्स कमेंडेशन से भी नवाजा जा चुका है। कांगो में संयुक्त राष्ट्र के साथ सेवा करते हुए, उन्हें दो बार फोर्स कमांडर्स कमेंडेशन से सम्मानित किया गया था।

5. पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के रूप में, जनरल रावत ने एकीकृत थिएटर कमांड की स्थापना सहित भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा संरचना के पुनर्गठन का महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने संयुक्त लॉजिस्टिक्स, संयुक्त प्रशिक्षण और योजना के संबंध में नवीन उपायों को स्थापित करके, प्रक्रियाओं और सिद्धांतों के संबंध में एकरूपता सुनिश्चित करके, सेवाओं के बीच अधिक संयुक्तता और समन्वय लाने पर विशेष बल दिया था। उन्होंने इन्वेंट्री के मानकीकरण पर जोर देने के साथ-साथ रक्षा खरीद में स्वदेशीकरण और "आत्मनिर्भरता" को प्राथमिकता देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दो सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों के प्रकाशन के माध्यम से घरेलू रक्षा उद्योग को काफी बढ़ावा मिला है।

6. जनरल रावत की दूरदर्शिता और विज्ञान के कारण, अंतरिक्ष, साइबर और विशेष अभियानों के विशिष्ट क्षेत्रों में भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमताओं में वृद्धि हुई है। हमारे बलों के आधुनिकीकरण की पहल और एकीकृत युद्ध समूह के रूप में भारतीय सेना के संगठनात्मक पुनर्गठन के साथ-साथ इन पहलों से हमारे सशस्त्र बलों को अतिरिक्त प्रोत्साहन मिला है। वह एक विजनरी फोर्स के रूप में रहे और उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों के समावेशी विकास की दिशा में परिवर्तनकारी सुधारों की शुरुआत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

7. जनरल रावत का 8 दिसंबर, 2021 को देहावसान हो गया।